दैनिक
# न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

## आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, बुधवार 25 अगस्त 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 325

**महत्वपूर्ण एवं खास**

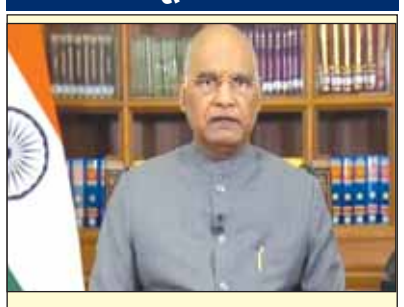

## 26 से 29 अगस्त तक यूपी के दौरे पर रहेंगे राष्ट्रपति कोविन्द

**नईदिल्ली (आरएनएस)।** राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद 26 से 29 अगस्त तक उत्तर प्रदेश (लखनऊ, गोरखपुर और अयोध्या) के दौरे पर रहेंगे। राष्ट्रपति 26 अगस्त को लखनऊ में बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के 9वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। राष्ट्रपति 27 अगस्त को लखनऊ में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. संपूर्णानंद की प्रतिमा का अनावरण करेंगे और कैप्टन मनोज पांडेय सैनिक स्कूल में एक सभागार का उद्घाटन करेंगे। उसी दिन वे लखनऊ स्थित संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान के 26वें दीक्षांत समारोह में भी शामिल होंगे। राष्ट्रपति 28 अगस्त को गोरखपुर में महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष महाविद्यालय की आधारशिला रखेंगे और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का उद्घाटन करेंगे। राष्ट्रपति 29 अगस्त को ट्रेन से लखनऊ से अयोध्या जाएंगे, जहां वे उत्तर प्रदेश सरकार के संस्कृति एवं पर्यटन विभाग की विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ करेंगे। इन परियोजनाओं में तुलसी स्मारक भवन का जीर्णोद्धार/निर्माण और नगर बस स्टैंड एवं अयोध्या धाम का विकास शामिल है। राष्ट्रपति अपनी अयोध्या यात्रा के समापन से पहले राम मंदिर के निर्माण स्थल का भी दौरा करेंगे और वहां पूजा करेंगे।

## कोविशील्ड की दो खुराक के बीच का अंतराल फिर हो सकता है कम

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** केंद्र सरकार कोरोना रोधी वैक्सीन कोविशील्ड के बीच मौजूदा अंतराल को कम करने पर विचार कर रही है। दरअसल इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन (आईपीएसएम) ने सरकार को यह अंतराल कम करने का सुझाव दिया है। देश के चिकित्सा क्षेत्र की अग्रणी संस्था आईपीएसएम ने सुझाव दिया है कि मौजूदा समय में कोविशील्ड की दो खुराक के बीच के अंतराल को कम किया जाना चाहिए। संस्था ने कहा है कि जिन्हें एक बार इंफेक्शन हो चुका है उन्हें वैक्सीन न दी जाए। कोवैक्सीन की दूसरी खुराक के लिए अभी 84 दिन का अंतराल रखा जाता है। पहली खुराक लगने के 84 दिन बाद ही दूसरी खुराक दी जाती है। यह अंतराल कम करने पर लोगों को कम समय में दोनों खुराक दी जा सकेगी। इससे संक्रमण का खतरा कम होगा। जिन्हें कोविशील्ड की दोनों खुराक लग चुकी है, उन्हें एक खुराक लेने वालों की तुलना में संक्रमण का खतरा कम रहता है। डेल्टा वैरिएंट के कारण इंफेक्शन बहुत ज्यादा हुआ है। ऐसे में दोनों डोज के बीच अंतराल कम करने पर विचार जरूरी है।

## गुजरात में 5000 झुग्गियों को गिराने पर सुप्रीम कोर्ट की अंतरिम रोक

**नईदिल्ली (आरएनएस)।** उच्चतम न्यायालय ने गुजरात में 5000 झुग्गियों को गिराये जाने पर रोक का अंतरिम आदेश मंगलवार को जारी किया। मुख्य न्यायाधीश एन वी रमन की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कोलिन गोंजाल्विस की दलीलें सुनने के बाद झुग्गियों को गिराए जाने पर रोक लगायी। खंडपीठ ने साथ ही गुजरात सरकार को कल तक यथास्थिति बनाये रखने का निर्देश दिया। शीर्ष अदालत कल इस मामले पर सुनवाई करेगी। खंडपीठ ने इस मामले में केंद्र सरकार और रेल मंत्रालय को भी नोटिस जारी किये हैं और जवाब दाखिल करने को कहा है। सुनवाई के दौरान श्री गोंजाल्विस ने शीर्ष अदालत को बताया कि गुजरात उच्च न्यायालय ने 2016 में झुग्गियों को हटाने पर रोक लगायी थी, लेकिन अब उसने यह रोक हटा ली है, जिसके बाद सरकार ने झुग्गियों को गिराने की तैयारी शुरू कर दी है। गौरतलब है कि याचिकाकर्ताओं द्वारा सूचित किया गया था कि राज्य सरकार आज रात तक इन झुग्गियों को गिरा देगी, जिसपर शीर्ष अदालत से रोक लगाने की मांग की गई थी।

# बारामूला में मुठभेड़ के बाद 3 आतंकी ढेर

### » इस साल अब तक 100 से ज्यादा दहशतगर्द मारे गए

**जम्मू (आरएनएस)।** जम्मू-कश्मीर में बारामूला जिले के सोपोर इलाके में मंगलवार तड़के आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई. एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने सोपोर इलाके के पेठसीर में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद सोमवार देर रात घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया था.

उन्होंने कहा कि तलाशी अभियान मंगलवार तड़के मुठभेड़ में बदल गया जब आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों की चौकियों पर गोलीबारी करनी शुरू कर दी. सूत्रों का कहना है कि सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम के साथ मुठभेड़ के दौरान 3 आतंकवादी मारे गए हैं. हालांकि शवों को अभी तक कब्जे में नहीं लिया गया है. पूरे इलाके में मोबाइल इंटरनेट सर्विस रोक दी गई है. आईजीपी कश्मीर विजय कुमार ने बताया कि आज जम्मू-कश्मीर पुलिस के सामूहिक प्रयासों से भारतीय सेना के चिनार कोर, सीआरपीएफ और कश्मीर के लोगों ने कश्मीर संभाग में 2021 में 100 से अधिक आतंकवादियों को निष्प्रभावी कर दिया है.

वहीं, श्रीनगर के ईदगाह इलाके में सोमवार शाम सीआरपीएफ के बंकर पर आतंकियों की तरफ से किए गए एक ग्रेनेड हमले में सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया. सीआरपीएफ ने यह जानकारी दी. श्रीनगर शहर में ही एक और घटना में, सोमवार को पुलिस ने दो आतंकियों को ढेर कर दिया. कश्मीर जोन पुलिस ने इस बात की जानकारी दी और बताया कि इलाके में कुछ आतंकियों के छिपे होने की आशंका थी, जिसके बाद पुलिस ने सर्च अभियान चलाया और दो आतंकियों को मार गिराया.

कश्मीर के आईजीपी विजय कुमार ने बताया कि पुलिस को श्रीनगर के मध्य कश्मीर में एक जगह पर आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली. सूचना मिलते ही पुलिस के 10 जवान मौके पर पहुंचे. इस दौरान पुलिस ने दोनों को घेरा और उन्हें चेतावनी दी गई. इसके बाद भी सामने से फायरिंग हुई और दोनों ओर से जारी फायरिंग में दो आतंकियों को मार गिराया गया. आईजीपी कश्मीर ने बताया कि मारे गए दोनों आतंकी टीआरएफ आतंकी संगठन से संबंधित थे. इनकी पहचान अब्बास शेख और साकिब मंजूर के रूप में हुई है. इन दोनों आतंकी कमांडरों के नाम जम्मू-कश्मीर पुलिस की मोस्ट वांटेड की लिस्ट में शामिल थे. इस बीच, कुपवाड़ा जिले के क्रालपोरा गांव में सोमवार को सेना के 160 टीए, 17जेएके आरआईएफ और एसओजी क्रालपोरा ने एक घर में संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान दस हैंड ग्रेनेड बरामद किए. पुलिस ने कहा कि एक इनपुट के आधार पर, गासला दरपोरा क्रालपोरा में मोहम्मद यासीन मीर के बेटे मोहम्मद यूसुफ मीर के घर में तलाशी शुरू की गई. इस दौरान घर से दस हथगोले बरामद किए गए.

## देश में एक दिन बाद कोरोना मामलों में मामूली बढ़ोतरी

### » पिछले 24 घंटे में 25,467 नए मरीज, 354 की मौत

**नई दिल्ली (आरएनएस)।** देश में कोरोना वायरस के जारी उतार चढ़ाव के बीच एक दिन बाद नए मामलों में मामूली बढ़त दर्ज की गई। मसलन पिछले 24 घंटे में एक दिन पहले आए मरीजों में 400 की बढ़ोतरी के साथ 25,467 नए मामले सामने आए हैं। जबकि इस दौरान 354 लोगों की मौत हुई। इसके विपरीत राहत की खबर ये है कि बीते एक दिन में 39,486 मरीज कोरोना संक्रमण को मात देकर ठीक हुए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार सोमवार को 25,072 नए मामले सामने आए थे। देश में अब तक 3.24 करोड़ से ज्यादा लोग कोरोना से ग्रस्त हुए हैं। संक्रमण से मरने वालों की संख्या में कमी आ रही है और पिछले चार दिन संक्रमण की वजह से मरने वालों की संख्या 400 से कम दर्ज की जा रही है। हालांकि विशेषज्ञों ने कोरोना की तीसरी लहर सितंबर-अक्तूबर में आने की आशंका जताई है, जबकि नवंबर में पीक पर रहने का दावा किया है। देश में अब तक कोरोना से 4.35 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

मंत्रालय के अनुसार कोरोना संकट से निपटने में राहत नजर आई है। बीते साल मार्च के बाद पहली बार देश में कोरोना के एक्टिव केस एक फीसदी से कम होने की रिपोर्ट है। यानि अब देश में कुल मामलों के मुकाबले 0.98 फीसदी ही सक्रीय मरीज इलाज करा रहे हैं। पिछले एक दिन में सक्रीय मरीजों की संख्या भी तेजी से कम हुई। एक ही दिन में सक्रीय मरीजों की संख्या में 14 हजार के करीब गिरावट आई है। यानि अब देश में कुल 3,19,551 सक्रीय मरीज रह गये हैं। वहीं कोरोना को मात देने वालों की संख्या भी तेजी से बढ़ने से राहत मिल रही है। अब देश में कोरोना का रिकवरी रेट भी तेजी से बढ़ते हुए अब 97.68 प्रतिशत हो गया है।

## बहू और बच्चों समेत 5 लोगों की बेरहमी से हत्या, आरोपी मकान मालिक ने किया सरेंडर

### » किरायेदार से अवैध संबंध का शक

**गुरुग्राम (आरएनएस)।** हरियाणा के गुरुग्राम में अवैध संबंधों के शक में पांच लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई. मरने वालों में दो महिलाएं, एक पुरुष और दो बच्चे शामिल हैं. बताया जा रहा है कि मकान मालिक को अपनी बहू पर किरायेदार के साथ संबंधों का शक था. गुस्साए मकान मालिक ने इस वारदात को अंजाम दे दिया. यह घटना गुरुग्राम के राजेंद्र पार्क थाने की है.

हैरान कर देने वाली बात ये है कि पांच लोगों को मौत के घाट उतारने के बाद आरोपी ने खुद ही थाने में पहुंचकर सरेंडर कर दिया. उसने जैसे ही सुबह-सुबह थाने जाकर पांच लोगों की हत्या की बात का खुलासा किया, वहां पर हड़कंप मच गया. मकान मालिक ने पुलिस को बताया कि उसने अपनी बहू, किरायेदार, किरायेदार की पत्नी और उसके दो बच्चों को मौत के घाट उतार दिया है.

उसे अपनी बहू और किरायेदार के बीच अवैध संबंधों का शक था. शक के बिनाह पर ही पांच लोगों की हत्या कर दी गई. आरोपी के मुंह से हत्या की बात कुबूल करते ही पुलिस ने उसे तुरंत गिरफ्तार कर लिया. पुलिस अब मामले की जांच में जुट गई है. वहीं पांचों लोगों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है. हत्या के आरोपी को रिटायर्ड फौजी बताया जा रहा है. इस वारदात से इलाके में सनसनी मची हुई है.

## केंद्रीय मंत्री राणे के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी, गिरफ्तार करने निकली नासिक पुलिस

### » उद्धव के खिलाफ बयान

**मुंबई (आरएनएस)।** महाराष्ट्र के नासिक में बीजेपी दफ्तर पर पत्थरबाजी का मामला सामने आया है। पत्थरबाजी का आरोप शिवसेना कार्यकर्ताओं पर लगा है। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी नेता नारायण राणे के बयान पर विवाद होने के बाद ये घटना सामने आई है। उधर, नासिक पुलिस राणे की गिरफ्तारी के लिए निकल गई है।

दरअसल, नारायण राण ने हाल ही में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को लेकर एक बयान दिया था। इस बयान में उन्होंने ठाकरे की आलोचना करने के साथ ही उन्हें थप्पड़ तक मारने की बात कह डाली थी। राणे के इस बयान के बाद उन पर एफआईआर दर्ज की गई है। जिसके बाद आज नासिक पुलिस राणे की गिरफ्तारी के लिए रत्नागिरी के लिए निकल चुकी है। नासिक पुलिस कमिश्नर ने दीपक पांडे ने नारायण राणे की गिरफ्तारी के आदेश दिए हैं जिसके बाद पुलिस टीम वहां के लिए निकली है। उधर, नारायण राणे पर शिवसेना कार्यकर्ताओं का गुस्सा भी देखने को मिला है। बताया जा रहा है कि नासिक में बीजेपी दफ्तर पर पत्थरबाजी की गई है। पत्थरबाजी की तस्वीरें भी सामने आई हैं। आरोप है कि शिवसेना कार्यकर्ताओं ने ये पत्थरबाजी कर अपना गुस्सा जाहिर किया है।

दर्ज एफआईआर और गिरफ्तारी के आदेश के मामले में नारायण राणे ने कहा कि मुझे इस बात की कोई जानकारी नहीं है कि मेरे खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। मैं कोई आम आदमी नहीं हूं और ना ही मैंने कोई अपराध किया है। मैं किसी को जवाबदेह के लिए बाध्य नहीं हूं। मीडिया का आदर कर रहा हूं इसलिए जवाब दे रहा हूं। मैंने कोई गुनाह नहीं किया है। पत्थरबाजी करना कोई मर्दानगी नहीं है। मेरे खिलाफ आदेश निकाले हैं ये क्या कोई राष्ट्रपति हैं क्या।

बता दें, महाराष्ट्र के अलग अलग शहरों में शिवसेना नारायण राणे के खिलाफ प्रदर्शन कर रही है। औरंगाबाद में शिवसैनिकों ने नारायण राणे के ख़िलाफ़ प्रदर्शन किया।

## सुप्रीम कोर्ट के सामने आत्मदाह की कोशिश करने वाली युवती की भी हुई मौत

**नईदिल्ली (आरएनएस)।** उच्चतम न्यायालय के बाहर एक पुरुष के साथ कथित तौर पर आत्महत्या का प्रयास करने वाली 24 वर्षीय महिला की मंगलवार को मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। महिला ने 16 अगस्त को आत्मदाह की कोशिश की थी और वह 85 प्रतिशत तक जल गयी थी। सत्ताइस वर्षीय व्यक्ति 65 फीसदी तक जल गया था और उसकी शनिवार को मौत हो गयी थी। दोनों को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

पुलिस उपायुक्त (नयी दिल्ली) दीपक यादव ने कहा, मंगलवार को इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। महिला और पुरुष द्वारा आत्मदाह का प्रयास करने के बाद पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 309 (आत्महत्या का प्रयास) के तहत एक मामला दर्ज किया था। पुलिस को संदेह था कि पुरुष ने ही महिला को यह कदम उठाने के लिए राजी किया था। पुलिस ने कहा कि महिला उत्तर प्रदेश में गाजीपुर की रहने वाली थी और 2019 में बहुजन समाज पार्टी के सांसद अतुल राय ने कथित तौर पर महिला के साथ बलात्कार किया था।

इस मामले में सांसद पिछले दो साल से न्यायिक हिरासत में हैं। आत्महत्या का प्रयास करने से पहले महिला ने अपने सहयोगी के साथ एक फेसबुक लाइव वीडियो रिकॉर्ड किया था जिसमें उन्होंने अपनी पहचान का खुलासा किया और दावा किया कि उन्होंने 2019 में राय के खिलाफ बलात्कार का मामला दर्ज कराया था।

## चारधाम यात्रा से जुड़े लोगों पर आजीविका संकट

**रुद्रप्रयाग (आरएनएस)।** प्रदेश में चारधाम यात्रा शुरू न होने से यात्रा से जुड़े हजारों लोगों के सामने आजीविका का संकट पैदा हो गया। चारधाम यात्रा का मुख्य पड़ाव केदारनाथ धाम की यात्रा से जुड़े लोगों की बात करें तो स्थानीय व्यवसायी, होटल लॉज संचालक, घोड़ा खच्चर डंडी कंडी संचालकों को परिवार का लालन पालन करना मुश्किल हो गया है। कोरोना महामारी के चलते इस वर्ष चारों धामों की यात्रा शुरू नहीं हो पाई है जबकि पिछले वर्ष कोरोना संक्रमण के बीच 1 जुलाई से यात्रा शुरू कर दी गयी थी। केदारघाटी के हजारों लोग यात्रा पर ही निर्भर हैं,जिसमें होटल, लॉज, घोड़ा, खच्चर, डंडी, कंडी, मजदूर से लेकर ढाबा संचालक भी शामिल हैं। यात्रा शुरू न होने से इन लोगों के सामने परिवार चलाने की विकट समस्या खड़ी हो गयी। इनमें से सैकड़ों लोग ऐसे हैं जिन्होंने बैंक से लोन लेकर अपना व्यवसाय शुरू किया था लेकिन अब उन्हें बैंक की किश्त तक देना मुश्किल हो गया है। ऐसे में अगर यात्रा शुरू नहीं होती है तो लोगों के सामने गम्भीर समस्या उत्पन्न हो सकती है। इस सम्बंध में सुभाष रावत अध्यक्ष प्रधान संगठन ने कहा कि केदारघाटी का एकमात्र रोजगार का जरिया यात्रा है। जिस पर रोक के कारण हजारों लोग बेरोजगार हैं। लोगों के सामने परिवार का भरण पोषण करना मुश्किल हो गया।

# हम अभी भी कोरोना खतरे के गिरफ्त में, हमें सावधानी बरतने की जरुरतः नायडू

### » उपराष्ट्रपति ने टीकाकरण भारत कार्यक्रम की शुरूआत

**बेंगलुरु (आरएनएस)।** उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने मेडिकल समाज से तथा विशेष रूप से इंडियन मेडिकल एसोसिएशन से लोगों को कोविड-19 के विरुद्ध टीकाकरण से सुरक्षा और टीकाकरण के महत्व के बारे में विशेष जागरूकता अभियान चलाने का आग्रह किया है।

उपराष्ट्रपति ने गिव इंडिया फाउंडेशन के सहयोग से कर्नाटक सरकार के स्थाई लक्ष्य समन्वय केंद्र द्वारा चलाए जाने वाले 'वैक्सिनेट इंडिया प्रोग्राम ' का शुभारंभ करते हुए कहा कि कुछ वर्गों में टीका लगवाने को लेकर हिचकिचाहट दिख रही है। टीके को लेकर संदेह पालने वाले लोगों को शिक्षित करना और उनमें जागरूकता पैदा करना अत्यंत आवश्यक है।

कोविड टीकाकरण अभियान को जन-आंदोलन में परिवर्तित करने का आह्वान करते हुए उपराष्ट्रपति ने सभी जन प्रतिनिधियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि उनके निर्वाचन क्षेत्रों में प्रत्येक व्यक्ति का टीकाकरण हो। उन्होंने मीडिया से टीका लगाने की आवश्यकता के बारे में लोगों को जागरूक करने का भी आग्रह किया । उन्होंने जोर देते हुए कहा झूठी मान्यताओं को सटीक जानकारी प्रदान करके दूर करने की जरूरत है।

कोविड-19 के खिलाफ टीकारण को सबसे प्रभावी कवच बताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि इससे अस्पताल में भर्ती होने से रोकने और रोग की गंभीरता को कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा दूसरे शब्दों में वायरस से संक्रमित होने पर भी बीमारी हल्की होगी।

उन्होंने कहा कि देश में कोविड से 97.6 प्रतिशत लोग ठीक हुए हैं, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि हम अभी भी खतरे से बाहर नहीं हुए हैं और हम सभी के लिए कोविड संबंधी प्रोटोकॉल और सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

इस बात पर बल देते हुए कि कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई जन सहयोग के बिना नहीं जीती जा सकती, उपराष्ट्रपति ने प्रत्येक नागिरक से मास्क पहनने, लगातार हाथ धोने, सुरक्षित दूरी का पालन करने और अनुशासित तथा स्वस्थ जीवन शैली अपनाने की अपील की। उन्होंने युवाओं से जंक फूड से बचने और ठीक से पका हुआ पारंपरिक भारतीय भोजन करने को कहा, जो हमारी शारीरिक और जलवायु परिस्थितियों के लिए अधिक अनुकूल है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि महामारी ने शहरी केंद्रों से लेकर गांव-देहात तक स्वास्थ्य संरचना में कमी को प्राथमिकता के तौर पर दूर करने पर फोकस किया है। इस संबंध में पिछड़े तथा दूर-दराज के क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने निजी क्षेत्र से स्वास्थ्य संरचना को बढ़ावा देने के सरकार के प्रयासों में सहयोग करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि आधुनिक और बेहतर चिकित्सा सुविधाओं वाले उन्नत राष्ट्र भी कोविड-19 से उत्पन्न संकट की भयावहता से प्रभावी तरीके से नहीं निपट सके। उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत सरकार, राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों द्वारा की गई ठोस कार्रवाई ने देश को काफी संतोषजनक ढंग से कोविड-19 को नियंत्रित करने में सक्षम बनाया है।

भारत सरकार और सभी राज्यों द्वारा कोविड-19 के खिलाफ अधिक से अधिक लोगों को टीका लगाने के लिए सामूहिक रूप से किए जा रहे कार्य की सराहना करते हुए उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि देश में अब तक 58 करोड़ वैक्सीन की खुराक दी जा चुकी है।